पवन प्रवाह
website: www.pawanprawah.com
लखनऊ से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक
सत्य का प्रवाह सतत् प्रवाह
e-mail-pawanprawah@gmail.com
डाक पंजीयन संख्या GPO LW/NP-106/2015-17
वर्ष 04 अंक 03 लखनऊ। सोमवार 09 से 15 अक्टूबर-2017
मूल्य : तीन रुपये पृष्ठ-16

www.pawanprawah.com
e-mail-pawanprawah@gmail.com
पवन प्रवाह

प्राणिक ऊर्जा : विशिष्ट उपचार

लेखक डॉ. भरत राज सिंह
स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के महानिदेशक एवं वैदिक विज्ञान केन्द्र के अध्यक्ष हैं

(भाग-20)

पिछले 19 (उन्नीस) अंकों में हमने भौतिक शरीर में ऊर्जा का संचार व उससे उत्पन्न ऊर्जा (आभा), जो भौतिक शरीर के कुछ क्षेत्र तक प्रभावी रहती है तथा प्राण के स्त्रोत, रंग प्राण व उसमें मुख्यतः प्राणिक ऊर्जा (शक्ति) किसे कहते हैं व क्या लाभ हैं, भौतिक शरीर में चक्रों का क्या महत्व है व इससे शरीर की ऊर्जा का संतुलन कैसे प्रभावी होता है, ऊर्जा (आभा) के परत, उनका महत्व और उससे शारीरिक स्वास्थ्य में, क्या लाभ होगा, तथा शारीरिक रोगों के निदान में प्राणिक उपचार (हीलिंग), ऊर्जा के सात चक्रों को जाग्रित करने के बारे में तथा मौलिक उपचार के लिए स्तर-I व विशिष्ट उपचार स्तर-II में प्रत्यक्ष ऊर्जा के लिए विजुअलाइजेशन व अवरूद्ध चक्र, औरिक ऊर्जा की अशुद्धिया, आभा और चक्रों के गूढ़ ज्ञान, सहज ज्ञान से आभा और चक्रों को पढ़ने की जानकारी से पूर्णतः अवगत हुये थे। इस अंक में, सहज ज्ञान से आभा और चक्रों को पढ़ने का अवशेष भाग बताया गया है।

क्रमशः पूर्व का अवशेष...

अवरुद्ध 4, 5 और 6 चक्र बहुत आम हैं, जबकि सातवीं, दूसरे, तीसरे और प्रथम चक्रों का अवरुद्ध होना उत्तरोत्तर कम पाया जाता है। आप देखेंगे कि कुछ चक्रों को कुछ मरीजों पर लंबे समय से अवरुद्ध किया जाएगा, जबकि अन्य चक्रों को अलग-अलग मरीज के जीवन परिस्थितियों के साथ कभी-कभी अवरुद्ध किया जाएगा तथा अनब्लॉकिंग चक्र नामक एक तकनीक का उपयोग करके उन्हें सही किया जाता है।

ऊर्जा लीक करने वाला एक क्षेत्र का क्षतिग्रस्त भाग उसके रिसाव या टूटने से दिखाई दे सकता है और ऊर्जा के प्रवाह को एक असंभव (अक्सर बाह्य) दिशा में जाता हुआ महसूस किया जा सकता है । ऊर्जा के सामंजस्यपूर्ण प्रवाह में एक विघटन या टूटने की भावना मिलेगी- उसके प्रवाह में एक रुकावट महसूस होती है जो लीक और टूटना के समान होती है और उनका इलाज भी उसी तरह विशेषरूप से किया जाता है।

आमतौर पर घुटनों, कंधे, गर्दन, कोहनी या टखनों के पास, शरीर से बहने वाली ऊर्जा- यह ऊर्जा लीक 'जेट' के रूप में प्रकट हो सकती है टूटे क्षेत्र की परत या परतों में एक चीरा के रूप में देखा जा सकता है या उक्त क्षेत्र को खुलेपन से महसूस किया जा सकता है। औरिक (आभा) क्षेत्र में ये 'छिद्र' चक्रों पर पाए जाते हैं, यह चेहरे पर और कभी-कभी बड़े चीरे आभा के कई परतों के माध्यम से फैलते नजर आते हैं तथा धड़ के कुछ हिस्सों में अक्सर पाए जाते हैं। सीलिंग लीक और टियर्स नामक एक तकनीक का उपयोग करके इस प्रकार के रिसाव और चीरे ठीक किए जाते हैं। औरिक ऊर्जा की अशुद्धता में उस जगह पर भारीपन, उलझन या अशुद्धता- अधिक ऊर्जा सामग्री का प्रकट होना महसूस करते हैं, जहां उसे होना चाहिए। वे अक्सर सामग्री, फजी क्षेत्रों या शरीर के चारों ओर अंधेरी ऊर्जा से उत्पन्न क्षेत्रों के झुंड के रूप में दिखाई देते हैं। वे अवांछनीय स्थिर ऊर्जा संचय के क्षेत्र हैं और ऊर्जा के क्षेत्र में स्पष्ट ऊर्जा के प्रवाह को रोकते हुए विभिन्न प्रकार के ऊर्जा की रुकावट पैदा करते हैं। इन अशुद्धियों के रंग या उपस्थिति अस्वास्थ्यकर और अवांछनीय होती है, क्योंकि यह एक स्पष्ट चमकीले स्वस्थ व जीवंत स्वरूप के विपरीत, वहां पर स्थिर, मोटी और फीकापन ऊर्जा महसूस करेंगे। ये दोष आम तौर पर सिर, चेहरे, कंधे, धड़, कूल्हों और अन्य क्षेत्रों के आसपास पाए जाते हैं तथा चक्रों पर भी होते हैं। अवरुद्ध चक्रों और लीक और चीरे की तरह, आपके हाथों को पासिंग करते समय आभा की अशुद्धियों में 'अस्वास्थ्यकर' महसूस हो सकता है। वे अक्सर शरीर के भीतर अस्वास्थ्यकर ऊर्जावान परिस्थितियों द्वारा उत्पादित होते हैं और कभी-कभी अवांछनीय भावनाओं या विचारों से संबंधित भी हो सकती है। अक्रियावान- अशुद्धियों के समाशोधन, चक्रों को अवरुद्ध करने के साथ-साथ अक्सर बेहतर शारीरिक स्वास्थ्य में होता है और रोगी के लिए भावनात्मक और मानसिक समाशोधन भी होता है। औरा-क्लियरिंग नामक एक प्रक्रिया का उपयोग करके औरिक अशुद्धियों को हटाया जा सकता है।

ऊर्जा की कमी की स्थिति: ऊर्जा की अनुपस्थिति के रूप में महसूस होती है तथा ऊर्जा क्षेत्र की समग्र भावना या उपस्थिति में मजबूती की कमी आ जाती है। मानसिक जानकारी और मार्गदर्शन के दौरान, आप अपने रोगी में इस स्थिति का पता लगा सकते है अथवा आपने यह भी गौर किया अथवा देखा होगा कि ऊर्जा पहली परत मे कम दिखती है और उच्च परतो मे मंद दिखती है। ऐसी स्थिति में अपने सभी स्तरों पर आभा की कमजोरी और मंदता का अनुभव होता है। आप बाद में इस स्थिति को भी समझ सकते हैं, जब आप अपने मरीज को लिटाने के साथ हाथों की पासिंग करते हैं । हाथों की इस क्रिया के दौरान, आप शरीर की ऊर्जा में जीवन शक्ति की कमी महसूस करते हैं और इस प्रकार से आप इस धारणा की पुष्टि भी करा सकते है।

औरा-चार्जिंग के समय, इस तकनीक के माध्यम से ऊर्जा में कमी आना महसूस होने लगती है। आभा की अपनी ऊर्जावान जीवन शक्ति को पुनः स्थापित कर, उपचार प्रक्रिया को बीमारी मे रुकावट हेतु विशेष रूप से सहायता प्रदान करती है और आगे की बीमारी की संभावना कम करने में कार्य करती है। कभी-कभी ऊर्जा की कमी, आमतौर पर extremities में, केवल आभा के कुछ हिस्सों में ही होती है। यह समग्र ऊर्जा में कमी केवल निचले पैर या टखनो में महसूस किया जाता है। फिर भी आभा की चार्जिंग, स्थानीय आभा चार्जिंग से भिन्नता बनाये रहती है और इन स्थानों पर ऊर्जा क्षेत्र को फिर से महत्वपूर्ण बनाने के लिए नियोजित किया जाता है। **ऊर्जा प्रवाह की गड़बड़ी को ऊर्जा क्षेत्र:** इस ऊर्जा में समग्र रूप से असंतुष्टता के रूप में महसूस किया जा सकता है। ऐसे क्षेत्र किसी भी चक्र या अन्य विशिष्ट स्थान से बंधे नहीं होते और यह संपूर्ण शरीर के ऊर्जा प्रवाह में, एक असंबद्ध, उभरे हुये या असंतुलित महसूस या उपस्थिति होना दर्शाता है। आप इसे अपनी दृष्टि से समझ नहीं सकते हैं, लेकिन आपके अस्तित्व में, एक निश्चित स्तर पर, एक अप्रिय या असुविधाजनक सनसनी महसूस हो सकती है, कुछ ऐसी झुरझुराहट जो आपको ब्लैकबोर्ड पर हवा देने से सुनने की भावना को प्रस्तुत करता है। आमतौर पर मानसिक दृष्टि या आंखों के साथ कोई दृश्य संकेत नहीं देता है, लेकिन रोगी के ऊर्जा क्षेत्र में एक बेचैनी के रूप में, उपचार के दौरान एक सूक्ष्म स्तर पर महसूस किया जाता है- यह असहनीयता खुद का शरीर पर ऊर्जा उपचार के दौरान अपने में महसूस कर सकते हैं।

इस स्थिति को ऊर्जा प्रवाह सुधार के रूप में जाने-जानी वाली एक प्रक्रिया के माध्यम से ठीक किया जाता है। जब यह आभा के केवल एक विशेष क्षेत्र में यह पायी जाती है और कभी-कभी धड़ के कुछ हिस्सों पर, यह ऊर्जा प्रवाह के स्थानीय सुधार द्वारा ठीक किया जाता है, हालांकि यह कुछ हद तक सामान्यतः कम पायी गयी हालत है। आप इस अभ्यास के दौरान, इन विभिन्न परिस्थितियों के बीच अंतर की जानकारी प्राप्त करने मे सक्षम होंगे और यह भी पता कर पायेंगे कि कौन सा उपचार उपयुक्त है जिसके लिये मानसिक जानकारी और मार्गदर्शन की प्रक्रिया से आपको-प्राप्त हुई सभी सूचनाओं का उपयोग करना, आभा को देखने, हाथों से गुजरना और किसी अन्य भावना को समझना, उचित उपचार के ज्ञान को एकीकृत करना और योजना करना आवश्यक होगा। इन सबसे ऊपर, ध्यान रखें कि इस स्थिति की समझने और रोगी के उचित उपचार के लिये आँखों, मन और हाथों में भावनाओं के रूप में उपयोग करना होगा। यह विचार आपको अपने पूरे अस्तित्व के द्वारा महसूस किए जाने का तरीका है।अपने रोगी की स्थिति को अच्छी तरह समझ पाने के बाद, आप उपचार के साथ आगे प्रक्रिया करेंगे। आपके द्वारा उपयोग की जाने वाली विभिन्न तकनीक और उनके अभ्यास की उचित पद्धति, आगे के शेष हिस्सों में विस्तार से बतायी गई है। आप अपने उपचार के दौरान उचित तकनीकों का उपयोग कर और अनुशंसित आदेश जिसमें आपको ऐसा करना चाहिए, अंत मे आने वाली उपचार की रूपरेखा में दिया गया है।

शेष अगले अंक भाग-21 में पढ़ें...